

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ज़ाञ्जली
दिनांक २७.६.२०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ५४

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी : प्रो. केपी सिंह

एचएयू में वाइस चांसलर ने ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स का किया उद्घाटन

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। वाइस चांसलर प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के साथ नेहबाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की तरफ से आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहाँ 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एचएयू ने एग्रीकल्चर स्किल कार्डिनल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कौशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरंभ किया है। इसके अंतर्गत उन्हें मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक,

युवाओं को 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स किए जाएंगे प्रदान

डॉ. केपी सिंह बोले- प्रशिक्षु अपना व्यवसाय शुरू करेंगे तो इससे दूसरों को भी रोजगार देंगे



कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थीयों को प्रमाण पत्र देते वीसी प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

फूलों की संरक्षित खेती, बल्च क्रौप क्लिटिवेटर, गेहूं क्लिटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक आदि 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. केपी सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षु अपना व्यवसाय शुरू करेंगे तो औरों को भी रोजगार देंगे। सहनिदेशका प्रशिक्षण डॉ. मंजू दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबिलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं।

इस अवसर पर वाइस चांसलर के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग, खुब उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. राकेश चुह और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ग्रन्ति जागरण
दिनांक २९.६.२०१९ पृष्ठ सं. १५ कॉलम ५-९

किसी भी कार्य की सफलता के लिए कौशल विकास जरुरी

ज़ायरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देख आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के साथना नेहराल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्कान द्वारा आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टाइफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बताएँ तुम्हारे मुख्य अतिथि बाल रहे थे। उन्होंने कहा



कृषक प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण

कृषक प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण-पत्र देते हुए। • ज्ञानराज
कि विश्व में भारत युवाओं का देस माना 65 प्रतिशत है। उन्होंने कहा हकूमि ने जाता है, जहाँ 18 से 35 साल के युवाओं एग्रीकल्चर स्किल कार्डिसिल ऑफ की प्रशिक्षण की कुल जनसंख्या का इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं,

किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कृशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हे युवाओं की पालन, यात्री, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलते की संरक्षित खेती, बल्ब कॉर्न क्लटिवेटर, नैरू क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कोटनारी एवं उत्पर्क प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मैकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशिवास कॉप क्लटिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना

तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टाइफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। सहभिन्देशक प्रशिक्षण डा. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी अव्युक्ति के बेरोजगार युवक-युवतियों जिनमें काबलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्कान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डा. सुरेन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डा. एमपी गर्ग और सुव्युक्त उत्पादक प्रशिक्षक डा. रामेश चौधरी और डा. विनोद मलिक भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पैन ५ भाग-कृत
दिनांक २९. ६. २०१९ पृष्ठ सं. ३ कॉलम ६-८

रोजगार पाना है तो एचएयू के 19 सर्टिफिकेट कोर्स दिखाएंगे रास्ता

सायना नेहवाल संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्सों का शुभारंभ

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्सों का शुभारंभ हुआ। इस दौरान कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहाँ 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। प्रधानमंत्री विकास योजना के तहत ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति ने दो प्रशिक्षणों के

कुल 51 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। इस दौरान सहनिदेशका प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चूध और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित रहे।

बेरोजगार युवाओं के लिए ये हैं कोर्स

हकृवि ने एग्रीकल्चर स्कूल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कृशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकृता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकृता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक

इस कोर्स से यह होगा लाभ

- प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

- इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ-साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकेंगे।

- प्रशिक्षण के बाद भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहकर उनसे मार्गदर्शन लेते रहेंगे तो आगे तरकी कर सकते हैं।

खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप क्लटिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकृता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नं.भ. द्यो
दिनांक २४.६.२१.७ पृष्ठ सं. २ कॉलम ...६-८

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी: सिंह

28 जून-०६ जुलाई २०१९

पतंजलि कृषक समृद्धि प्रोजेक्ट
Patanjali Bio Research Institute

धो. बरात द्यो कृषि विश्वविद्यालय,
हरियाणा

Saina National Institute of Agricultural Technology, Training and Education (SNI)



हिसार/२८ जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहाँ 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा हक्कीवि ने एप्रीकल्चर स्किल कार्डिनल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं

को प्रशिक्षणों के माध्यम से कृशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हें मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नसरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप क्लटीवेटर, गेहूं क्लटीवेटर, मशरूम उत्पादक, कोटनाशी एवं उत्पादक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मैकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप क्लटीवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा एवं नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे १९ विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएं। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी भाँहों कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू कर सके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ-साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी

काफी हद तक कम कर सकेंगे। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के उपरांत भी हक्कीवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहकर उनसे मार्गदर्शन लेते रहने को कहा। इस अवसर पर कुलपति ने रेकोगनीशन प्रायर लिंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के अंतर्गत खुम्ब उत्पादक विषय पर संपन्न हुए दो प्रशिक्षणों के कुल ५१ प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। उन्होंने कहा यह प्रशिक्षु अपना व्यवसाय शुरू करेंगे तो औरों को भी रोजगार देंगे। सहनिदेशका प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें कावलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. सुरेन्द्र मिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एमके गर्ग तथा खुम्ब उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. राकेश चूध और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम निटप २। भूत २५३८
दिनांक .28. 6. २०१ पृष्ठ सं. ६ कॉलम 6-8

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी : कैपी

हिसार, 28 जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केपी सिंह ने कहा है कि किसी व्यवसाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल यथृत महत्वपूर्ण है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं।

कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सामना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोगित ट्रैक्टर संचालक और वैदिक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि योग्य रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्या में भारत युवाओं का देश मना जाता है जहाँ 18 से 35 वाले के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा उक्ति ने एशियन्स कॉलेज एवं इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कृशल और आर्थिक रूप से स्वाक्षरता बनाने की दिशा में कार्य आरंभ किया है। इसके अंतर्गत उन्हें मधुमवस्थी पालन, मालों भाषायक माली, नसंरी प्रबंधक, कूलतों की संरक्षित खेती, व्यवस्थाएँ जैसे कॉलिंग, मशरूम उत्पादक, कौटनाशी एवं उत्तरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी



कार्यक्रमों, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मैकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस कॉर्प कॉलिंग, कृषि विद्यार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकांकित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विशेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके बेरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ-साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकेंगे। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के उपरांत भी हक्की के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहकर उनसे मार्गदर्शन लेते रहने को कहा। इस अवसर पर कुलपति ने संकागनीशन प्रायर सर्विंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के अंतर्गत सुन्दर उत्पादक विषय पर संपन्न हुए दो प्रशिक्षणों के कुल 51 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। उन्होंने कहा यह प्रशिक्षण अपना व्यवसाय शुरू करेंगे तो ओरों को भी बोरोजगार होंगे।

सहनिदेशक प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियों निम्नमें काबिलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ. एम.के. गर्ग तथा सुन्दर उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. राकेश चूध और डॉ. विनोद मलिक भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नामसिरी पत्र
दिनांक २४.६.२०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम२५

कार्यक्रम हक्किय में ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

कार्य की सफलता के लिए कौशल जरूरी: प्रो. केपी सिंह

सिरी पत्त्व न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसी जनसमाय या कार्य की सफलता के लिए कौशल बहुत महत्वपूर्ण है। विकास में भी यहीं देश आगे है जो कौशल में ऊब सर प्राप्त कर चुके हैं। कृषकान्त प्रशाननमयी विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के साथया नेहरात कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं योजना संस्थान द्वारा आयोजित ट्रैक्टर संचालक और जैविक फसल उत्पादक सर्टिफिकेट कोर्सों के उद्घाटन समारोह में बहीर मूल्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्य में भलत युवाओं का देश माना जाता है जहाँ 18 से 35 महीने के युवाओं की संख्या देश की कूल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को अवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बढ़ाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा तकनीकी नेतृत्वात् युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से कृषक और आर्थिक हृष में स्थानांत्रिकी बढ़ाने की दिशा में कार्य आरंभ किया है। उन्हें अंतर्गत उन्हें मन्त्रालयी पालन, मालवी, सहायक मालवी, नसीरी प्रशिक्षक, फूलों की सर्वज्ञता खेती, बल्ब की प्रशिक्षक, गैह क्लिनिकर, ग्रामरूप उत्पादक, कोटनारी एवं ऊर्जारूप प्रशिक्षणकार्यालय और ऊर्जा उत्पादक, योग प्रौद्योगिकी कार्यकारी,



हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रशिक्षणार्थीयों को प्रशासन-पत्र देते हुए।

ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानोशियस क्रौप क्लिनिकर, कृषि विनापन संचालक कार्यकारी, मुद्र नमूने एकांकित करना तथा मुद्रा एवं जल परोक्षण प्रशिक्षणालय विस्तरण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण विद्य चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण देते सकते हैं। डॉ. मुरन्द सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अभियंते डॉ. एमके योग तथा युवा उत्पादक प्रशिक्षक डॉ. रमेश चूम, और डॉ. विनोद चत्तिक भी उपस्थित थे।

४ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम व्यूरे भूमि
दिनांक २१.६.२०१९ पृष्ठ सं. १५ कॉलम ५-६

इकृषि ने इंडकशन ट्रेनिंग कोर्स ने बोले तीकी प्रो. केपी सिंह

संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता पर निर्भर

■ फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आह्वान

हाइभुग्नि न्यूज ॥ अहिसार

शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और



हिसार। प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

फोटो : हरिभूमि

एक माह के इंडकशन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए

30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से उपस्थित थी।

अपना कर्तव्य निभाने का आह्वान किया। कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और विश्वविद्यालय को स्वतः पोषित बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों की समृद्धि के लिए उन्हे उद्यमी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए जाने का रोजमरा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सहमानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजू महता भी उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब कैरेक्टरी

दिनांक २९.६.२०१९ पृष्ठ सं. ५ कॉलम ५-८

शिक्षण संस्थान को सम्मान दिलाने में फैकल्टी का होता है महत्वपूर्ण योगदान : वी.सी.

हिसार, 28 जून (ब्यूरो) : शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हें संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंवर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से



प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

अपना कर्तव्य निभाने का आझ्हान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एम.एस. सिंहपुरिया ने

प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए जाने का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम

में सह मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डा. मंजू मेहता भी उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम फैकल्टी जागरण
दिनांक २९.६.२०१९ पृष्ठ सं. १५ कॉलम ५-५

फैकल्टी की योग्यता, कौशल पर निर्भर करती है शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा



कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है, इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही।

वह विश्वविद्यालय में नव-नियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडकशन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे। इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैबर्स भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना

कर्तव्य निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है, जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं।

कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और विश्वविद्यालय को स्वतः पोषित बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों की समृद्धि के लिए उद्यमी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एमएस सिंहपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए जाने का रोजमर्रा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम भैनिक मास-फल
दिनांक २९.६.२०१९ पृष्ठ सं. २ कॉलम ५

अध्यापन एक कला है जिसमें पारंगत होना चाहिए: कुलपति प्रो. केपी सिंह



→ ?

हिसार | शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आहवान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम उभरतजाता
दिनांक २९.६.२०१७ पृष्ठ सं. ६ कॉलम ७-८

अध्यापन एक कला, जिसमें पारंगत होना चाहिए : डॉ. केपी सिंह हिसार (ब्यूरो)। शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हें संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही में नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मेंबर भाग ले रहे हैं। वाइस चांसलर ने कहा कि अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हें पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त किए जान का रोजमरा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सहमानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजु महता भी उपस्थित थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ज्ञानभूमि
दिनांक २४.६.२०१७ पृष्ठ सं. २ कॉलम ।-३

शिक्षण संस्थान को सम्मान दिलाने में फैकल्टी का होता है महत्वपूर्ण योगदान: कुलपति



हिसार/२८ जून/रिपोर्टर

शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इमन्निए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान कही। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए ३० फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और इमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आहवान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हें पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक

संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों में जाकर और उनके साथ सहयोग करके अपने ज्ञान के उन्नयन के साथ प्राथमिकता बाले क्षेत्रों में अनुसंधान करने और अनुसंधान पत्रों को उच्च रेटिंग बाले राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय जरनलों में प्रकाशित करने चाहिए। कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और विश्वविद्यालय को स्वतः प्रोत्साहित बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों की समृद्धि के लिए उन्हे उद्धमी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस. सिंह पुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमरा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सह मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजु महता उपस्थित थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम
~~हैली इंसाईट~~
दिनांक 28. 6. 2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-2

शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति

हिसार: 28 जून शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है। इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दौरान उन्हे संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आहवान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक संख्या में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों में जाकर और उनके साथ सहयोग करके अपने ज्ञान के उन्नयन के साथ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान करने और अनुसंधान पत्रों को उच्च रेटिंग वाले राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय जरनलों में प्रकाशित करने चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

दिनांक २४.६.२०१९ पृष्ठ सं. ६ कॉलम १-३

निष्पत्रांकितर्थ

शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर : वीसी

हिसार, 28 जून (निस)। शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता और कौशल पर निर्भर करती है इसलिए किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विस्तार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एक माह के इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के दीरान उन्हें संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस कोर्स में विश्वविद्यालय में हाल ही नियुक्त हुए 30 फैकल्टी मैंबर भाग ले रहे हैं। कुलपति ने फैकल्टी से अपने ज्ञान को अपडेट रखने और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा अध्यापन एक कला है जिसमें उन्हे पारंगत होना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से



गुणवत्ताशील प्रकाशनों और अधिक से अधिक मंसूबा में शोध परियोजनाएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों में जाकर और उनके साथ सहयोग करके अपने ज्ञान के उत्तरयन के साथ प्राथमिकता वाले शोधों में अनुसंधान करने और अनुसंधान परियों को उच्च रेटिंग वाले राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जरनलों में प्रकाशित करने चाहिए। कुलपति ने इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने और

विश्वविद्यालय को स्वतः प्रोफिट बनाने पर भी चल दिया। उन्होंने विशेषकर विस्तार विशेषज्ञों से किसानों की समृद्धि के लिए उन्हे उदामी बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण दीरान प्राप्त किए ज्ञान का रोजमरा के कार्यों में प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सह मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कोर्स निदेशक डॉ. मंजु महता भी उपस्थित थी।